COURSE-6

(1)

जनसंचार (Mass-Media)

जनसंचार का अर्थ (Meaning of Mass-Media) वर्तमान युग में जनसंचार के माध्यमों का बड़ा ही शैक्षिक महत्व है। जनसंचार के माध्यम शिक्षा के अनौपचारिक अभिकरणों के अन्तर्गत आते हैं। जनसंचार हेतु आंग्ल भाषा में 'Mass-Media' शब्द का प्रयोग किया जाता है। सामान्य रूप से 'जनसंचार माध्यम' का अभिप्राय है ऐसे अभिकरण जिनके प्रयोग से विभिन्न प्रकार की सूचनाएँ दूर-दूर तक लोगों के पास पहुँचाने का प्रयास करना। जनसंचार के इन साधनों में रेडियो, दूरदर्शन, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ इत्यादि आते हैं। जब इन साधनों का प्रयोग शिक्षा के लिए किया जाये तब ये शिक्षा के साधन अथवा अभिकरण कहलाते हैं। इन अनौपचारिक अभिकरणों के प्रयोग द्वारा शिक्षा से जुड़े विभिन्न उद्देश्यों या शैक्षिक कार्यों को पूर्ण करने का प्रयास किया जाता है। यह शिक्षा का बहुत ही प्रभावी साधन है।

सूमरी के अनुसार – "संचार सूचना, आदर्शों एवं अभिवृत्तियों का एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुँचाने की कला है।"

डॉ० गोकुलचन्द्र पाण्डेय के अनुसार – "संचार सूचना व्यक्त अथवा अव्यक्त रूप से सूचनाओं का प्रेषण एवं स्वीकरण है।"

लैंगिकता हेतु समाजीकरण में जनसंचार साधनों की भूमिका (Role of Mass-media in Gendered Socialization)

लैंगिकता हेतु शिक्षा में जनसंचार के साधनों की भूमिका अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है क्योंकि जनसंचार अत्याधिक प्रभावी अभिकरण है जिसके द्वारा एक ही समय में विस्तृत जनसमूह को शिक्षित किया जा सकता वर्तमान में इसकी पहुँच घर-घर तक है। यह मनोरंजन के साथ-साथ इन विषयों पर जागरूकता लाते है। समानता तथा सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास करते है। लैंगिकता हेतु शिक्षा में जनसंचार के साधनों की भूमिका का निरूपण इस प्रकार किया जा सकता है:

1.) मनोरंजनात्मक कार्यक्रमों के साथ-साथ लैंगिक तथा अन्य महत्त्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता प्रदान की जाती है।

2.) बालिकाओं की शिक्षा तथा स्त्री सुरक्षा आदि विषयी प्रावधानों से अवगत कराते हैं।

3.) समय-समय पर आँकड़ों के प्रदर्शन द्वारा लैंगिक भेदभावों को कम करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

4.) जनसंचार के साधनों की कार्य-प्रणाली में महिलाओं की सहभागिता पुरुषों के समान ही है, चाहे वह न्यूज प्रस्तोता हो, कार्यक्रम निर्देशक हो या कार्यक्रम संचालक

5.) महिलाओं की सशक्त छवि का प्रस्तुतीकरण।

6.) जनसंचार के साधनों में महिलाओं की समस्याओं, उनकी रूचि इत्यादि के विषय में अलग से स्तम्भ की भी होते हैं।

7.) print media द्वारा स्त्रियों पर किताब, कविताएँ तथा लेख के द्वारा लैंगिक भेदभावों पर संवेदना जागृत की जाती

8.) जनसंचार के साधनों अपने प्रयासों द्वारा समाज में रहे लैंगिक भेदभावों की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं और यह भी बताते हैं कि यदि ऐसा ही होता रहा तो भविष्य कैसा होगा।

9.) जनसंचार के माध्यमों द्वारा ही देश के किसी भी कोने में हो रहे शोषण, अपराध और लैंगिक भेदभाव की खबरें तभी तक पहुंच पाती हैं जिससे आरोपी का बच निकलना मुश्किल हो जाता है।

10.) ये साधन प्रशासन तथा कानून पर दबाव भी बनाते हैं जिससे पीड़िता को समुचित न्याय मिलता है।

11.) समय-समय पर महिलाओं को उसके अधिकारों तथा संवैधानिक प्रावधानों से अवगत कराने का कार्य करते हैं।

12.) जनसंचार के कुछ माध्यम ऐसे भी हैं जिनका उद्देश्य ही इन विषयों पर जागरूकता लाने के लिए, महिलाओं की सुरक्षा के लिए किया गया है, इससे भी लैंगिक भेदभावों में कमी आती है।

13.) ये साधन मनुष्यों को परस्पर लिंगों की समस्याओं, विचारधाराओं तथा महत्व इत्यादि से परिचित कराते हैं, जिससे एक-दूसरे के प्रति सम्मान और मानवीयता का भाव विकसित होता है।

14.) जनसंचार के साधनों के द्वारा लैंगिक भेदभावों की समाप्ति के लिए सामूहिक सहमति का भाव तैयार किया जाता है।